>

Title: Need to start work on railway projects and augment rail services in Himachal Pradesh.

श्री अनुराग सिंह ठाकुर (हमीरपुर): हिमाचल प्रदेश पर्वतीय एवं सीमावर्ती प्रदेश है। आजादी के 62 वर्षों में अब तक केवल 36 किलोमीटर रेल लाइनें प्रदेश में बनी है। भानुपल्ली-बिलासपुर-बैरी ब्रॉडगेज रेल लाइन के निर्माण की घोषणा वर्ष 2008 के बजट में की गई, किंतु अभी तक कार्य आरंभ नहीं किया गया है। घनौली बद्दी बड़ी रेल लाइन निर्माण की घोषणा वर्ष 2007 के बजट में की गई थी, किंतु केन्द्र प्रशासित क्षेत्र चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा भूमि उपलब्ध न कराए जाने के कारण पंजाब के जिला रोपड़ के घनौली से उक्त रेल लाइन का लिंक हिमाचल प्रदेश के बद्दी औद्योगिक क्षेत्र से किए जाने के रेलवे के वैकल्पिक प्रस्ताव पर अभी तक कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है। तीसरी निर्माणाधीन नंगल-तलवाड़ा बड़ी रेल का कार्य अविलंब पूरा किया जाए और चौथी बिलासपुर-मंडल-मनाली-लेह/लद्दाख बड़ी रेल लाइन का निर्माण सामरिक, पर्यटन क्षेत्र के आर्थिक विकास हेतु अत्यंत आवश्यक है। अतः उक्त चारों लाइनों के निर्माण को त्वरित गति प्रदान की जाए। कोलकाता-आनंदपुर साहब-नांगलडेम एक्सप्रेस (साप्ताहिक) को ऊना तक बढ़ाया जाए, क्योंकि नंगलडेम से ऊना केवल 15 किलोमीटर दूर है और इस रेल सेवा के विस्तार से हिमाचल प्रदेश सीधा कोलकाता से जुड़ जाएगा। पठानकोट-जोगेन्द्रनगर नैरोगेज रेल सेवा पर भारी जन प्रवाह को दृष्टिगत रखते हुए बोगियों अथवा रेल सेवा की आवृत्ति की संख्या बढ़ाई जाए।